343

श्रम विभाग

दिनांक 19 ग्रगस्त, 1986

सं श्रो विव /एफ बी व /ग इगांव / 6! - 86 / 300 57. - चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व (1) परिवहन आयुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) महा प्रबन्धक, सैन्ट्रल बाडी बिल्डिंग वर्कणाप, हरियाणा रोडवेज, गुड़गांव, के श्रीमक श्री छुण्ण कुमार, पुल श्री बनवारी लाल, गांव व डा० सिहां ढाणी राव, बच्छवालिया, जिला महेन्द्रगढ़ तथा उसके प्रबुद्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीयोगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अव, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिष्टमूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला त्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री क्रुष्ण कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? दिनांक 21 अगस्त, 1986

सं श्रो विवि/रोहतक / 142-81 / 30228 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं वहरियाणा डेरी डिवैलपमेन्ट कोग्रोप्रेटिव फैंडरेशन लिव, मिल्क प्लांट, गोहाना रोड़, रोहतक, के श्रमिक श्री हरकेश, पुत्र श्री मोजी राम, मार्फ्त एस. एन. वत्स गली डाकखाने वाली, रोहतक तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद हैं;

मौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भन, घौद्योगिक विवाद भ्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी भ्रधिसूचना सं 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, की विवादमस्त या उससे मुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला त्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विधादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रयवा संबंधित मामला है :---

बया श्री हरकेश की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भो०वि०/रोतहक/।42-81/30235:—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० हरियाणा डेरी डिवैलपर्मेन्ट कोओपरेटिव फैडरेशन लि०, मिल्क प्लांट, गोहाना रोड़, रोहतक के श्रमिक श्री ईश्वर सिह, पृद्ध श्री राम सिंह, मार्फल एस एन. वत्स, गली डाकखाने वाली, रोहनक तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें **इसके बाद लिखित** गामले में <mark>कोई घौद्योगिक विदाद है</mark> ;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निविच्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रोहोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिन्णिय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निविष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्वन्धित मामला है:—

क्या श्री ईश्वर सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किम राहृत का हकदार है ?

सं० म्रोऽवि०/रोहतक/142-81/30248.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० हरियाणा डेरी डिवैलपमैन्ट कोम्रोपरेटिव फेंडरेशन लि०, मिल्वा प्लांट, गोहाना रोड़, रोहतक, के श्रीमिक श्री शमशेर सिह, पुत्र श्री जीत राम, मार्फत एस एन. वत्स, गली डाकखाने वाली, रोहतक तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई मौद्योगिक विवाद है;

मोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रव, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिविनियम, 1947, की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिविस्चना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी ग्रीविस्चना की घारा 2 के ग्रीवीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे मुसंगत 394

HARYANA GOVT GAZ., AUGUST 26, 1986 (BHDR. 4, 1908 SAKA)

या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उनत प्रबन्धकों तथा ^{श्र}मिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री शमशेर सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

संब्ध्री विव/रोहतक / 142-81/30255 .-- चुंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं इरियाणा डेरी डिवैलपमेन्ट कोम्राप्रेटिव फैंडरेशन लिंक, मिल्क प्लांट गोहाना रोड, रोहतक, के श्रमिक श्री सतपाल सिंह माप्रंत एस एन वत्स, गली डाकछाने वाली रोहतक, तथा उसके प्रबन्धकों के बोच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भ्रब, भीद्योगिक विवाद मधिनियम, 1947, की धारा 10की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसुचना सं० 9641-1-श्रम-78-32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी प्रधिसूचना की धारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के वीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री सतपाल सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं भो वि । रोहतक / 142-81 / 30262 --- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है, कि मैं हरियाणा डेरी डिवैलयमेन्ट कोम्राप्रेटिव फैंडरेशन लि॰, मिल्क प्लांट, गोहाना रोड़, रोहतक, के श्रीमक श्री भ्रोम प्रकाश, पूत्र श्री जीत राम मार्फत एस. एन. वत्स, गली डाकखाने वाली रोहतक, तथा उसके प्रवत्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भीधोपिक विवाद है ;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायर्णिय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भन, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों **का प्रयोग करते हुये हु**रियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रक्षिस्चना सं. 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवस्वर, 1970 के साथ गठित सरकारी श्रीधसूचना की धारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक 🕏 बीच या तो विवादप्रस्त भामला है या उक्त विवाद से सुसंगत सपवा सम्वन्धित मामला है :---

क्या श्री ग्रोम प्रकाश की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं अो वि वि रोहतक 142-81/30269. - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं वहरियाणा डेरी डिवैल पर्मेन्ट कोग्राप्रेटिंव फेंडरेशन लि०, मिल्क प्लांट गोहाना रोड़, रोहतक, के श्रमिक श्री गजराज सिंह, पूत श्री मूप तिह मार्फत एस. एन. वत्स, गली डाकखाने वाली रोहतक तथा उस के प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भीधोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद ग्रिविनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई. शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसचना की घारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उवत विवाद से सुसंगत भ्रयवा सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री गजराज सिंह की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का - इकदार है ?

> श्रार० एस० श्रग्नवाल, उप सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।